CSIR In Media
A Daily News Bulletin

22nd November , 2016 Page: 1

CSIR organises techno fest at IITF

CSIR

STATESMAN NEWS SERVICE
New Delhi, 21 November

On Day 5 of the CSIR Platinum Jubilee Techno fest organised by the Council of Scientific and Industrial Research at the 36th India International Trade Fair (IITF) at Pragati Maidan, the focus was on 'Chemicals and Petrochemicals'. A seminar was held attended by veteran scientists and dignitaries of CSIR and its industrial partners. The theme pavilion showcased the latest technologies of various labs in the country.

Chief guest Rakesh Khandal, president, R&D, India Glycols, focused on the shape of research and development functionaries in India in this important area. "Besides R&D, CSIR should take care of the supply chain management, end-to-end perspective strategies and digital transformation," he said, adding, "This industry shares 2.1% of the GDP of India, is 3rd largest producer of chemicals in Asia and 6th in the world." Girish Sahni, Director General of CSIR, said, "Chemistry is the backbone or rather mother of all lives. CSIR needs to partner with the chemical industries to explore many new areas." Ashwini Kumar Nangia, director, CSIR-National Chemical Laboratory (NCL) highlighted the use of chemicals in materials and composites.

Several quiz contests for school students were also organised by CSIR-NCL that gave students exposure of the live labs' reactions. Signing of important MoUs of CSIR with industries and institutes concluded the event.

Statesman | Page 2 | Nov 22, 2016

सीएसआईआर के टेक्नोफेस्ट में हुई भारत में खेती और सिंचाई के तरीकों पर चर्चा

CSIR

नई दिल्ली | 36वें अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में सोमवार को काउंसिल ऑफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च (सीएसआईआर) के प्लेटिनम जुबली टेक्नोफेस्ट के आठवें दिन थीम बेस्ड प्रेजेन्टेशन ने भारत में फार्मिंग और सिंचाई के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला। सोमवार की थीम थी 'सोसाइटल इंटरवेंशन', जिसमें टेक्नोलॉजिकल इंटरवेंशंस शामिल है जो कि भारत की व्यापक जनसंख्या के लिए सामाजिक और आर्थिक रूप से प्रासंगिक है। सीएसआईआर-सीआईएमएपी के पंकज शाह ने कहा कि उद्योग किसानों को दबाने का प्रयास करते हैं। सीआईएमएपी ड्रिप इरीगेशन में सीजनल फार्मिंग समस्याओं से निपटने में मदद कर रहा है। सीएसआईआर के मिशन डायरेक्टरेट के हेड डॉ. सुदीप कुमार ने कहा कि टेक्नोलॉजिकल इंटरवेंशंस के द्वारा लोगों तक पहुंचना सीएसआईआर का उद्देश्य है। सेशन को सीएसआईआर-आईआईआईएम के भारत भूषण ने भी संबोधित किया। इस मौके पर केंद्रीय सामाजिक कल्याण मंत्री थावरचंद गहलोत की उपस्थिति में सीएसआईआर की ओर से दो समझौते भी किए गए। इस मौके पर आयोजित सेमिनार में किसान, वैज्ञानिक और अनुसंधानकर्ता उपस्थित थे।

Dainik Bhaskar | Page 6 | Nov 22, 2016

CSIR

Enabling profitable farming with tea wine and lavender

OUR CORRESPONDENT

NEW DELHI: On the eighth day of the Council of Scientific and Industrial Research (CSIR) Platinum Jubilee Technofest – in the 36th India International Trade Fair (IITF) on Monday– the theme-based presentations touched several important aspects of farming and irrigation in India. The theme of the day was 'Societal Interventions'; covering technological interventions that are socially and economically relevant for a large chunk of India's Population.

Farmers, scientists and researchers attended a seminar as dignitaries from distinguished CSIR labs like CSIR-CIMAP, CSIR-CCMB, CSIR-CECRI, CSIR-CFTRI, CSIR-CLRI, CSIR-CSMCRI and CSIR-IHBT participated in the event.

Talking about the industry interference in the farming methods, Pankaj Shah from CSIR-CIMAP said, "Industries try to suppress the farmers. CSIR-Central Institute of Medicinal & Aromatic Plants (CIMAP) has helped considerably in dealing with seasonal farming problems in drip irrigation."

Addressing the seminar, Dr Sudeep Kumar, Head, Mission Directorate CSIR, said, "CSIR's objective is to reach masses through technology interventions." The session was also addressed by Bharat Bhushan from CSIR-Indian Institute of Integrative Medicine (IIIM).

He said, "Lavender cultivation can be done on barren land. A large number of farmers face less problem as aromatic plants market is profitable. Honey extraction is also benefited with the flower cultivation as bees get attracted towards aroma and the quality of honey improves."

The pavilion of 'Societal Interventions' displays aromatic products and drinks from different CSIR labs. The lab-produces incense sticks made of used flowers offered to deities in the temples. The health drinks like Indus Berry and Shivalik, developed by CSIR-IIIM, Jammu, have medicinal value. A special Tea Wine made by CSIR-IHBT was the center of attraction for visitors. It is a low alcoholic fermented beverage made from tea and tea waste, having pleasant aroma and flavor and is a health drink containing natural anti-oxidants.

MoUs signing and technology transfer concluded the event. It included two agreements by CSIR-IIIM, one MoU each by CSIR-IHBT and CSIR-CLRI in the presence of Minister for Social Welfare and Empowerment, Thaawar Chand Gehlot, Chief Guest at CSIR Technofest.

CSIR-IGIB conducted activities for school students, quiz for general audience and lecture on Diabetes by Anil Gaikwad, CSIR-Central Drug Research Institute.

Millenium Post| Page 2 | Nov 22, 2016

CSIR's showcases 'MULTI FUEL COOK STOVE' and 'WATER ROBOT' at IITF

CSIR-NIO CSIR-NEERI

On the seventh day of the Council of Scientific and Industrial Research (CSIR) Platinum Jubilee Technofest in the 36th India International Trade Fair, many science enthusiasts turned out at the pavilion to witness the latest technological innovations by CSIR. The major highlight of 'Ecology and Environment' was free swimming robot 'Maya', an Autonomous Underwater Vehicle developed by CSIR-National Institute of Oceanography (NIO). A multi-fuel domestic cook stove, 'Neerdhur',

developed by CSIR- National Environmental Engineering Research Institute (NEERI) for rural households, can be fueled by cow dung cake, wood chips, wood logs and charcoal.

Hindustan Times | Delhi | Page 23 | Nov 22, 2016

अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव के तहत सीबीआरआई रुड़की में आयोजित किया गया कार्यक्रम

छात्रों ने जानी विज्ञान की बारीकियां

रुड़की | कार्यालय संवाददाता

अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव के तहत छात्र-छात्राओं को विज्ञान के लिए प्रेरित करने के लिए सीएसआईआर-केन्द्रीय भवन अनुसंधान संस्थान में आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें स्कूली बच्चों, कॉलेज के विद्यार्थियों, शिक्षकों, उद्योग कार्मिकों को शोध दिखाकर उन्हें नए शोध के लिए प्रेरित किया गया। दो सत्रों में आयोजित कार्यक्रम में 200 से अधिक लोगों ने भाग लिया।

गुरुवार को पूर्वाहन सत्र का उद्‌घाटन करते हुए संस्थान के निदेशक डॉ. एन गोपालकृष्णन ने कहा कि शांत मन एक स्पंज जैसा होता है, जो ज्ञान को सरलता से सोख लेता है। उन्होंने बच्चों से शांत मन से वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों से बात करने और अपनी जिज्ञासाएं शांत करने की अपील की। इसके बाद विशेषज्ञों ने ऑडिटोरियम में छात्रों के मन में वैज्ञानिक सोच जगाई। इससे पूर्व मुख्य वैज्ञानिक एवं नोडल अधिकारी डॉ. एके मिनोचा ने महोत्सव की जानकारी दी।

रुड़की के सीबीआरआई में गुरुवार को आयोजित विज्ञान कार्यक्रम में पहुंचे छात्र-छात्राएं। ● हिन्दुस्तान

उन्होंने लोगों को सीबीआरआई के शोधों को लेकर फिल्म और प्रयोगशालाएं दिखाई। वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक तथा सूचना अधिकारी डॉ. अतुल कुमार अग्रवाल ने सभी का आभार जताया। कार्यक्रम में ग्रीनवे मार्डन सीनियर सेकेंडरी स्कूल, चिल्ड्रन सीनियर एकेडमी, केएल डीएवी पीजी कालेज और एसएसडीपीसी कालेज से 200 से अधिक विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की।

इस अवसर पर यादवेन्द्र पाण्डेय, डॉ. अचल मित्तल, डॉ. सुवीर सिंह, डॉ. आभा मित्तल आदि मौजूद रहे।

विशेषज्ञों ने जगाई छात्रों में वैज्ञानिक सोच

व्याख्यान के आयोजन के दौरान विशेषज्ञों ने बच्चों और शिक्षकों में वैज्ञानिक सोच जगाने के प्रयास किए। आईआईटी रुड़की के प्रो. धर्मेंद्र कुमार ने ज्ञान में छिपी रोचकता विषय पर बच्चों को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि हर कण तथा क्रिया में विज्ञान की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसे जानने व समझने के लिए हमें विज्ञान को व्यवहारिकता में लाना होगा। दोपहर सत्र में प्रो.गोपाल रंजन ने थिंक इंडिया, टोटल इनोवेशन विषय पर विचार रखे। उन्हें नई सोच और शोध के लिए भी प्रेरित किया। प्रो. राजेन्द्र चन्द्रा ने जीवन की गुणवत्ता तथा प्रश्नों की महत्ता पर जोर देते हुए सतत् विकास और अपशिष्ट प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार रखे। ग्लोबल कैम्पस, रुड़की के महानिदेशक डॉ. एससी हाण्डा ने ताजमहल पर प्रदूषण के प्रभाव विषय पर एक ज्ञानवर्धक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

Roorkie | Nov , 2016

प्रत्येक क्रिया में विज्ञान की भूमिका

सीबीआरआई में भारत अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव के तहत हुआ कार्यक्रम

अमर उजाला ब्यूरो

रुड़की।

केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सीबीआरआई) रुड़की में भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (आईआईएसएफ) का आयोजन किया गया। जिसमें स्कूली बच्चों, कालेज के विद्यार्थियों, शिक्षकों, उद्योग कार्मिकों, और जनता के लिए आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए संस्थान के निदेशक डा. एन गोपालकृष्णन ने छात्रों और वैज्ञानिकों से परस्पर संवादात्मक रूप से वार्ता करते हुए अपना ज्ञानवर्धन करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में आईआईटी रुड़की के प्रो. धर्मेंद्र सिंह ने विज्ञान में छिपी रोचकता विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए कहा कि हमें अपनी सोच में एक वैज्ञानिक दृष्टिकोण लाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हर कण तथा क्रिया में विज्ञान की महत्वपूर्ण भूमिका है। जिसे जानने व समझने के लिए हमें विज्ञान को व्यवहार में लाना होगा। दोपहर के सत्र में डिग्री कालेज के विद्यार्थियों से रूबरू होते हुए प्रोफेसर गोपाल रंजन ने थिंक इंडिया, टोटल इनोवेशन विषय पर व्याख्यान देते हुए उन्हें नयी सोच और नवोन्मेष के लिए प्रेरित किया। इसके बाद प्रो. राजेंद्र चंद्रा ने जीवन की गुणवत्ता तथा प्रश्नों की महत्ता पर जोर देते हुए सतत विकास और अपशिष्ट प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर परस्पर संवादात्मक व्याख्यान दिया। गलोबल कैंपस, रुड़की के महानिदेशक डा. एससी हांडा ने ताजमहल पर प्रदूषण के प्रभाव विषय पर एक ज्ञानवर्धक व्याख्यान प्रस्तुत किया। इससे पूर्व मुख्य वैज्ञानिक डा. ऐके मिनोचा ने महोत्सव के महत्व पर प्रकाश डाला। इस दौरान छात्रों को सीबीआरआई द्वारा किए जा रहे नवीनतम अनुसंधान एवं विकास कार्यों पर आधारित एक वीडियो फिल्म दिखाई। साथ ही छात्रों ने प्रयोगशालाओं का अवलोकन किया। इस मौके पर वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. अतुल कुमार अग्रवाल छात्रों को प्रेरक व्याख्यान देते बताया कि कैसे संत विवेकानंद के विचारों ने जीआरडी टाटा को राष्ट्र के गौरव आईआईएससी, बेंगलूर, टीआईएफआर, टीआईएसएस आदि के निर्माण के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर यादवेंद्र पांडेय, डा. अचल मित्तल, डा. सुवीर सिह तथा डा. आभा मित्तल आदि मौजूद रहे।

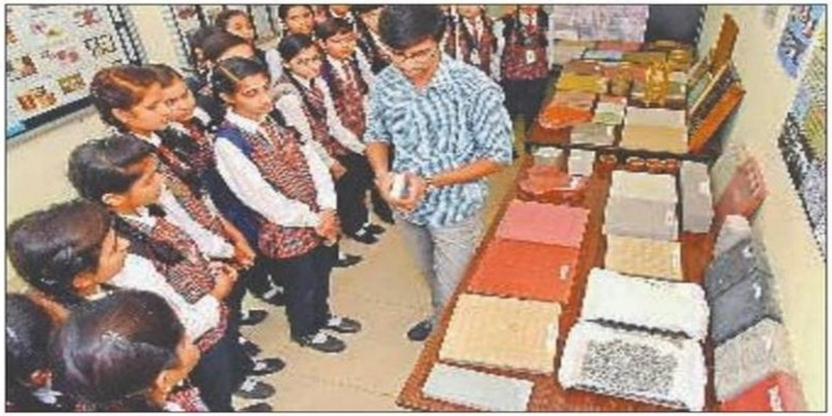

रुड़की स्थित सीबीआरआई में आयोजित भारत अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव के दौरान भ्रमण करते छात्र-छात्राएं।

सीबीआरआई में भारत अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव के मौके पर आयोजित व्याख्यान में उपस्थित छात्र-छात्राएं।

Amar Ujala | Roorkie | Nov , 2016

CSIR-CBRI

भ्रमण: अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव के तहत आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन

छात्रों ने जानी भवन निर्माण तकनीक

- विभिन्न स्कूलों के छात्रों ने रूरल पार्क का किया भ्रमण, कई जानकारियां ली
- छात्रों को वैज्ञानिक एवं विशेषज्ञों से संवाद कर ज्ञान बढ़ाना चाहिए: गोपालकृष्णन

जागरण संवाददाता, रुड़की: केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सीबीआरआइ) में अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव के तहत आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने संस्थान का दौरा किया। इस दौरान विशेषज्ञों ने छात्रों को भवन तकनीक की जानकारी दी। बताया कि भवन निर्माण में भूकंप रोधी तकनीक जरूरी है।

गुरुवार को सीबीआरआइ में ग्रीनवे, चिल्ड्रन सीनियर एकेडमी, केएलडीएवी पीजी कॉलेज, एसएसडीपीसी गर्ल्स पीजी कॉलेज समेत विभिन्न स्कूल-कॉलेजों के 200 छात्र भ्रमण कार्यक्रम में पहुंचे। संस्थान के निदेशक डॉ. एन गोपालकृष्णन ने कहा कि शांत मन एक स्पंज की तरह होता है जो ज्ञान की सरलता को सोख लेता है। उन्होंने कहा कि छात्रों को वैज्ञानिक एवं विशेषज्ञों से संवाद कर ज्ञान बढ़ाना चाहिए। आइआइटी के प्रो. धर्मेन्द्र सिंह ने कहा कि छात्रों को अपनी सोच में वैज्ञानिक दृष्टिकोण लाने की आवश्यकता है। इसके उपरांत छात्रों को सीबीआरआइ के नवीनतम अनुसंधान एवं विकास कार्यों पर आधारित फिल्म भी दिखाई गई। छात्रों ने संस्थान के रूरल पार्क का भ्रमण भी किया। वैज्ञानिकों ने विभिन्न भवनों के डिजाइन की जानकारी दी। बताया कि भवन निर्माण के लिए योजनाबद्ध कार्य करना चाहिए। अन्यथा इससे लागत भी अधिक आती है भवन की गुणवत्ता भी प्रभावित होती है। दोपहर बाद दूसरे सत्र में प्रो. गोपाल रंजन, प्रो. राजेन्द्र चंद्रा, ग्लोबल कैंपस रुड़की के महानिदेशक डॉ. एससी हांडा, डॉ. एके मिनोचा, डॉ. पीकेएस चौहान आदि ने व्याख्यान दिया। अंत में संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक एवं सूचना अधिकारी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

रुड़की के सीबीआरआई में छात्रों को जानकारी देते विशेषज्ञ। जागरण

Dainik Jagran | Roorkie | Nov , 2016

विज्ञान महोत्सव का उद्देश्य उपलब्धियों को प्रदर्शित करना

उत्तरांचल दीप ब्यूरो

रुड़की। भारत-अंतर्राष्ट्रीय एकदिवसीय विज्ञान महोत्सव 2016 के विषय में जानकारी देते हुए संस्थान के निदेशक एन. गोपालकृष्णन ने बताया कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय व पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा, विजना भारती के सहयोग से सीएसआईआर-एनपीएल, नई दिल्ली में दूसरे भारत-अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव 2016 का आयोजन किया जा रहा है।

यहां आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान संस्थान के निदेशक डॉ. एन. गोपाल कृष्णन ने बताया कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय का एक प्रमुख कार्यक्रम है जिसमे छात्रों, युवा शोधकर्ताओं और आम जनता के लिए भारतीय विज्ञान की नवीनतम उपलब्धियों का प्रदर्शन कर उन्हें भारत में हो रहे अनुसंधान एवं विकास कार्यों के बारे में जागरुक किया जाता है। इसी संदर्भ में, संस्थान के विभिन्न विभागों के सभी समूह प्रमुखों ने सीएसआईआर-केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान, रुड़की में हो रहे नवीनतम अनुसंधान एवं विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। वार्ता के दौरान संस्थान के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक और सूचना अधिकारी डॉ. अतुल कुमार अग्रवाल ने बताया कि भारत-अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव-2016 के अग्रगामी प्रसंग के रूप में आज ओपन डे के अन्तर्गत 3 नवम्बर को स्कूली बच्चों, कॉलेज के विद्यार्थियों, शिक्षकों, उद्योग कर्मियों, मीडिया और जनता के लिए एक आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। पत्रकार वार्ता में डा. पिल्लई, यादवेन्द्र पांडेय, डॉ. सुवीर सिंह, डॉ. प्रदीप चौहान, समैती आदि मौजूद रहे।

Uttaranchal Deep | Roorkie | Nov , 2016

CSIR-CBRI

आवासों की जरूरत को ध्यान में रखकर शोध : कृष्णन

अमर उजाला ब्यूरो

रुड़की।

केंद्र सरकार की पहल पर सीबीआरआई रुड़की की ओर से बृहस्पतिवार को भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान उत्सव का आयोजन किया जाएगा। जिसमें विभिन्न स्कूलों के बच्चों को संस्थान की लैब का अवलोकन कराया जाएगा। साथ ही बच्चों को विज्ञान के प्रति प्रेरित करने के लिए वैज्ञानिक व्याख्यान देंगे।

संस्थान के कांफ्रेंस हॉल में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए संस्थान के निदेशक डा. एन गोपालकृष्णन ने कहा कि संस्थान भविष्य में आवासों की जरूरत को ध्यान में रखकर शोध कार्य पर जोर दे रहा है। बृहस्पतिवार को होने वाले विज्ञान उत्सव के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि इसका मुख्य उद्देश्य संस्थान की तकनीकी को आम आदमी तक पहुंचाने और बच्चों में विज्ञान के प्रति रुचि पैदा करना है। साइंटिस्ट इंचार्ज डा. एके मिनौचा ने बताया कि उत्सव के तहत बच्चों को विभिन्न प्रयोगशालाओं का अवलोकन कराया जाएगा। साथ ही

सीबीआरआई में वार्ता करते निदेशक डा.एन गोपाल कृष्णन व अन्य।

सीबीआरआई में आज होगा अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान उत्सव

आईआईटी के वैज्ञानिक प्रो. धर्मेंद्र सिंह सहित प्रो. गोपाल रंजन, प्रो. राजेश चंद्रा एवं प्रो. एससी हांडा व्याखन देंगे। इस दौरान वैज्ञानिकों ने संस्थान में चल रही शोध गतिविधियों के बारे में भी जानकारी दी। जिसमें डा. एके मिनौचा ने भवन के मलबे से भवन सामग्री निर्माण तकनीकी की जानकारी देते हुए बताया कि संस्थान केंद्र सरकार के मेक इन इंडिया, डिजीटल इंडिया, स्मार्ट सिटी और सस्ते आवास जैसी योजनाओं को ध्यान में रखकर शोध कार्य कर रहा है। संस्थान वैज्ञानिक एसके नेगी ने सस्ते और सुरक्षित भवनों के निर्माण की जानकारी दी। डा. आभा मित्तल ने कंप्यूटर से इमारतों की विश्लेषणात्मक माडलिंग, डा. शांतनु सरकार ने आपदा के मद्देनजर भवन तकनीक, डा. सुवीर सिंह ने अग्निरोधक उपायों, एसके पांडे ने रोबोट और अंडर ग्राउंड कटिंग की मशीन के निर्माण, डा. रजनी लखानी ने कोटा स्टोन के वेस्ट से टाइलों के निर्माण व डा. अशोक कुमार ने सस्ते आवास योजना के लिए भवन तकनीक तथा डा. अचल मित्तल ने योजनाओं के तहत बनाए गए भवनों की निर्माण तकनीक पर प्रकाश डाला। डा. अतुल कुमार अग्रवाल सहित अनेक वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

Amar Ujala | Roorkie | Nov , 2016

CSIR-CBRI

आमजन नए शोध कार्यों से होंगे रुबरू

- सीएसआइआर-सीबीआरआइ में अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव आज
- दो सत्रों में नवीनतम शोध और विकास कार्यों की देंगे जानकारी

बुधवार को सीआईआरआइ रुड़की में पत्रकारों से वार्ता करते संस्थान के निदेशक डॉ. एन गोपालकृष्णन और अन्य। जागरण

जागरण संवाददाता, रुड़की : सीएसआइआर-सीबीआरआइ में गुरुवार को भारत-अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। महोत्सव का उद्देश्य छात्रों, औद्योगिक इकाइयों के कार्मिक और आमजन में विज्ञान के प्रति रूझान पैदा करना है। महोत्सव के तहत नवीनतम शोध और विकास कार्यों से संबंधित फिल्म भी दिखाई जाएगी। साथ ही ज्ञानवर्द्धक वैज्ञानिक व्याख्यान भी आयोजित किए जाएंगे।

सीएसआइआर-सीबीआरआइ सभागार में बुधवार को आयोजित प्रेस वार्ता में संस्थान के निदेशक डॉ. एन गोपालकृष्णन ने बताया कि यह विज्ञान व प्रौद्योगिकी मंत्रालय और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय का प्रमुख कार्यक्रम है। इसके तहत लोगों को भारतीय विज्ञान की नवीनतम उपलब्धियों की जानकारी और जागरूक करना है। वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक और सूचना अधिकारी डॉ. अतुल कुमार अग्रवाल ने बताया कि महोत्सव में ओपन डे के अंतर्गत आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन दो सत्रों में होगा। सुबह के सत्र में स्कूली बच्चों, शिक्षकों, जनता तथा अपराह्न सत्र में कॉलेज के विद्यार्थियों और उद्योग कर्मियों को सीएसआइआर-सीबीआरआइ के नवीनतम अनुसंधान की जानकारी दी जाएगी। नोडल अधिकारी डॉ. एके मिनोचा ने आइआइएसएफ (इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल) की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर आइआइएसएफ के प्रतिनिधि संगीत पिल्लई, यादवेंद्र पांडेय, डॉ. सुवीर सिंह, डॉ. प्रदीप चौहान, एस मैती आदि मौजूद रहे।

Dainik Jagran | Roorkie | Nov , 2016